HOD Message & brief introduction.

Prof. Dr. Manish Saraswat is Academic Chairperson and Head Industry in campus (IIC) in Lloyd Institute of Engineering and Technology, Greater Noida, U.P, India. He was earlier offered a post as ASSISTANT DIRECTOR, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, Government of India, under the TECHNOLOGY DEVELOPMENT CENTRE DIVISION. Dr. Manish Saraswat is graduated from GLA Institute of Technology and Management, Mathura and Post Graduated from IIT Delhi. He holds a Ph.D. degree in Mechanical and Automation Engineering from IGDTUW, Delhi. Dr. Manish Saraswat has got a teaching/research experience of more than fourteen years to his credit. His areas of research interest center around the development of alternative fueled low emission engines/vehicles. He has supervised more than half-century graduates in the field of Science and Technology. He has published more than two dozen research papers in various SCI and other international/national journals. He also bags a plethora of Patents publication to his credit. During his career, he had several important assignments and interactions. Dr. Manish Saraswat has been the Principal investigator of several sponsored projects funded by AKTU.

Industrial Experience and Responsibilities have undertaken: Product Design Engineer in Motherson.

LLOYD SKILLS CENTRE: The demand for trained labour in India was expanding across industries, necessitating the introduction of a world-class skill development programme in mission mode to face the challenge of teaching the skills necessary by a growing economy.

Lloyd Skills Centre (LSC) is one of the initiatives by Lloyd Group of Institutions which operates in collaboration with eminent industry partners to offer skill based training and services to Industry and Academia. Lloyd is keen and committed to engage various Industries and skill development sectors to enhance the employment opportunities for the technocrats and youth in the emerging areas.

LSC was set up to narrow the existing gap between the demand and supply of skills. It aims to promote skill development by catalyzing creation of large, quality and for-profit vocational institutions.

Further, the organization provides funding to build scalable and profitable vocational training initiatives.

LSC acts as a catalyst in skill development by providing funding to enterprises, companies and organizations that provide skill training. It also develops appropriate models to enhance, support and coordinate private sector initiatives. The differentiated focus on three sectors under LSC

purview and its understanding of their viability will make every sector attractive to private investment.

Lloyd Skills Centre (LSC) is one of the initiatives by Lloyd Group of Institutions which operates in collaboration with eminent industry partners to offer skill based training and services to Industry and Academia. Lloyd is keen and committed to engage various Industries and skill development sectors to enhance the employment opportunities for the technocrats and youth in the emerging areas.

The students in these established centers are guided by the eminent experts from Industries which continuously works to provide the technical solutions for the nearby rural and suburban areas problems and contributes towards the society through their ideas and innovations.

Some of the problem areas where the students are working are as follows:

- Drone technology for Agriculture.
- Development of Low Cost E-Vehicles for rural areas.
- Fabrication and Testing of Li-Ion Battery Packs for different utilities.
- Providing skill based training to the youth.

Further. The LSC also undertakes industry problems and provides possible and optimal solutions by engaging students and faculty members. Through these activities, some IPRs are generated by the students and Faculty member's involved. To highlight few areas, where the LSC are as:

1. Undertake research activities related to UAVs
2. Provide solutions for industry problems
3. Conduct UAV related training program
4. Act as service center's for Drones
5. Play an Advisory role for various stakeholders.

Activities conducted by LSC for the benefit of Society:

Conducted more than 10 training sessions for nearby farmers.
Developed low cost Agri-Drone for the society.
Developed a trained workforce of more than 50 technical students.
Conducted Hand-on Training in the area of Service, repair and maintenance of Crashed drones.
GIS mapping Training was conducted for students and Farmers of FPO Punjab and Madhya Pradesh and other states.
Drone data Processing Training on Software for the analysis of Data captured by Drones.
Fabrication of E-Vehicles.
Fabrication of Li-ion Batteries.

MOUs with Organizations of Repute

Garuda Aerospace Pvt. Ltd: LSC Is an authorized Service Centre for five states.

IG Drones: LSC has a simulation workbench of IG Drones.

Lohum Cleantech: LSC possesses an extension of the testing division of Lohum Cleantech Pvt. Ltd..

LSC Team

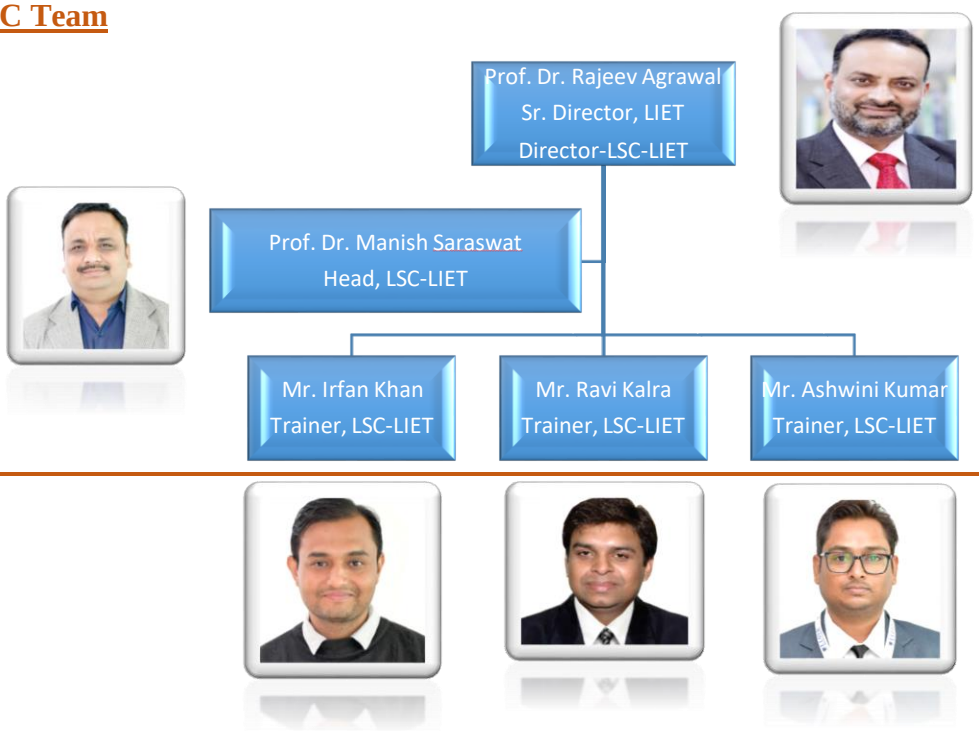

Glimpses

अमर उजाला my city

Date: 18/11/2022, Page No: 04

विद्यार्थियों के बनाए कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन

माई सिटी रिपोर्टर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से बहस्पतिवार को लखनऊ केंद्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए अभिनव प्रौद्योगिकी विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला में लॉयड कॉलेज के विद्यार्थियों की ओर से तैयार की गई कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। यह ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन लेकर छिड़काव करने में सक्षम है।

कार्यशाला में देशभर से कई राज्यों के कॉलेजों ने स्टार्टप और अभिनव तकनीक का प्रदर्शन किया। नॉलेज पार्क स्थित लॉयड

लॉयड कॉलेज में प्रदर्शित किया गया कृषि उपयोगी ड्रोन। संवद

इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ. राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत के निर्देशन में विद्यार्थियों ने कृषि उपयोगी ड्रोन तकनीक पर कार्य किया। टीम ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया। बनाया गया ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है। ड्रोन एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है। इसकी लागत करीब 3 लाख रुपये है। कृषि सचिव अनुराग यादव ने मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन लेकर छिड़काव करने में सक्षम है ड्रोन

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि टीम कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कम करने के लिए प्रयासरत है। जिससे ज्यादा किसानों को लाभ दिलाया जा सके। आने वाले समय में पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करने की योजना है।

नोएडा/एनसीआर दैनिक भास्कर 03

यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए लखनऊ में आयोजित कार्यशाला में लॉयड कॉलेज ने कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन

- किसानों की फसल पर रसायनिक छिड़काव करने के लिए विशेष तकनीकी का ड्रोन किया तैयार: प्रोफेसर राजीव अग्रवाल

भास्कर ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2022 को "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है,तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है ।

उन्होंने बताया कि संबंधित ड्रोन ३00000 (तीन लाख) में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है।लॉयड स्किल सेंटर में आज की जरूरत क्या है उसके अनुसार हमारे कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष मनोहर थहरानी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितने भी आवश्यक सुविधाएं हैं।हम सभी सुविधाओं को अपने इंजीनियरिंग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के जरूरत के हिसाब से अभिनव तकनीक का विकास हो। लॉयड स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।

यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया

शफी मोहम्मद रैफी
जनता की खोज

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2022 को "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया गया। आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है,तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है। उन्होंने बताया कि संबंधित ड्रोन 7300000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके। प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है।लॉयड स्किल सेंटर में आज की जरूरत क्या है उसके अनुसार हमारे कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष मनोहर थहरानी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितने भी आवश्यक सुविधाएं हैं।हम सभी सुविधाओं को अपने इंजीनियरिंग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के जरूरत के हिसाब से अभिनव तकनीक का विकास हो। लॉयड स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।

ETV भारत

किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन .

किसानों के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का किया प्रदर्शन किसानों की आय में वृद्धि के लिए आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में लॉयड कॉलेज ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया. लॉयड कॉलेज के निदेशक ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी मदद से ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है. हम जल्द ही ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे.

नई दिल्ली / ग्रेटर नोएडा : उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2022 को "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया गया। आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में लॉयड कॉलेज के द्वारा कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है,तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है । उन्होंने बताया कि संबंधित ड्रोन ₹300000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव श्री अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके।

Grenonews.com
हर खबर पर हमारी नजर

यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया

ग्रेटर नोएडा :उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा दिनांक 16 नवंबर 2022 को "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया गया। आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में लॉयड कॉलेज के द्वारा कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है,तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है । उन्होंने बताया कि संबंधित ड्रोन ₹300000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव श्री अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है।लॉयड स्किल सेंटर में आज की जरूरत क्या है उसके अनुसार हमारे कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष मनोहर थहरानी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितने भी आवश्यक सुविधाएं हैं।हम सभी सुविधाओं को अपने इंजीनियरिंग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के जरूरत के हिसाब से अभिनव तकनीक का विकास हो। लॉयड स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।

विजन लाइव

यूपी सरकार द्वारा किसानों की आय वृद्धि के लिए आयोजित कार्यशाला में लॉयड ने कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया

विजन लाइव/ ग्रेटर नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा "किसानों की आय में अभिवृद्धि हेतु अभिनव प्रौद्योगिकियों" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न किया गया। आयोजित कार्यशाला में मुख्य रूप से अभिनव तकनीक के बारे में बात किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों के स्टार्टअप्स और प्रतिष्ठित कॉलेज के लोग शामिल हुए। ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल के नेतृत्व में लॉयड कॉलेज के द्वारा कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया गया। प्रोफेसर डॉ राजीव अग्रवाल और प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने संस्थान द्वारा विकसित कृषि उपयोगी ड्रोन का प्रदर्शन किया तथा अवगत कराया कि संबंधित ड्रोन 10 लीटर कृषि रसायन सॉल्यूशन को लेकर छिड़काव करने में सक्षम है,तथा एक उड़ान में 12 मिनट तक निर्बाध छिड़काव कर सकता है । उन्होंने बताया कि संबंधित ड्रोन ₹300000 में उपलब्ध है, जिस संदर्भ में कृषि सचिव श्री अनुराग यादव द्वारा मशीन के प्रमाणीकरण तथा रेगुलेटरी मैकेनिज्म को संदर्भित करने का सुझाव दिया।

प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि हम नियमित रूप से प्रयास कर रहे हैं कि कृषि उपयोगी ड्रोन की कीमत कैसे कम की जा सकती है और ज्यादा से ज्यादा किसानों को जो तकनीकी शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सरल तरीके से ड्रोन के उपयोग के बारे में बताया जा सके। प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने बताया कि आज के जरूरतों के अनुसार तकनीकी द्वारा ही किसानों की आय बढ़ाना संभव है। हमने इस बात को ध्यान में रखते हुए लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में लॉयड स्किल सेंटर का स्थापना किया गया है।लॉयड स्किल सेंटर में आज की जरूरत क्या है उसके अनुसार हमारे कॉलेज में छात्र और शिक्षक मिलकर काम करते हैं। लॉयड ग्रुप के अध्यक्ष मनोहर थहरानी ने कहा कि अभिनव तकनीक के लिए जितने भी आवश्यक सुविधाएं हैं।हम सभी सुविधाओं को अपने इंजीनियरिंग कॉलेज में उपलब्ध करवाएंगे ताकि आज के जरूरत के हिसाब से अभिनव तकनीक का विकास हो। लॉयड स्किल सेंटर प्रमुख प्रोफेसर मनीष सारस्वत ने बताया कि आने वाले समय में ग्रेटर नोएडा और पश्चिमी यूपी के किसानों के साथ जमीनी स्तर पर ड्रोन का उपयोग आरंभ करेंगे।